

वाटरशेड विकास कार्यक्रम के मूल उद्देश्य

Core Objectives of the Watershed Development Programme

- मृदा की नमी और मृदा की ऊपरी परत का यथास्थान संरक्षण.
In situ conservation of soil moisture and top soil.
- वर्षा जलसंचय और अतिरिक्त पानी की निकासी
Rainwater harvesting and drainage of excess water.
- मिट्टी की उर्वरता की अनुपूरक सिंचाई और पुनरुत्पादन प्रदान करना.
Providing supplementary irrigation and regeneration of soil fertility.
- संरक्षित मृदा आद्रता, वैकल्पिक फसलों को उगाने और फसल पद्धति में परिवर्तन के माध्यम से कृषि उत्पादकता में सुधार करना.
Improved agricultural productivity through use of conserved soil moisture, growing alternative crops and changing cropping pattern.
- वाटरशेड क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए आजीविका के अवसर सृजित करने हेतु प्राकृतिक संसाधनों (जैसे भूमि, जल, पौधे, जानवर, आदि) का विवेकपूर्ण उपयोग करना.
Judicious use of natural resources (such as land, water, plants, animals, etc.) for creating livelihood opportunities for people living within a watershed area.
- माइक्रो-वाटरशेड को व्यापक रूप में विकसित करना ताकि उस क्षेत्र के निवासियों के लिए पर्याप्त और संधारणीय आजीविका के अवसर सृजित किए जा सकें.
Developing micro-watersheds in a comprehensive manner so as to create adequate and sustainable livelihood opportunities for the inhabitants of that area.
- भागीदारी स्व-सहायता पहल के माध्यम से अपने निम्न हो चुके परिवेश के उत्थान के लिए ग्राम समूहों के गठन को उत्प्रेरित करना.
Catalyze the formation of village groups for regeneration of their degraded environment through participatory self-help initiatives.

- संधारणीय आर्थिक विकास के लिए जन आंदोलन को मजबूत करना.

Strengthen people's movement for sustainable economic development.